कृषि क्षेत्र को उद्योग का दर्जा

4064. **श्री एस० एस० अहलुवालिया :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने देश में कृषि उत्पादन में हुई अत्यधिक वृद्धि को ध्यान में रखते हुए कृषि को उद्योग का दर्जा देने का निर्णय किया है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार कृषि क्षेत्र को उद्योग का दर्जा कब तक प्रदान करने का विचार रखती है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) से (ग) 14 मई, 1993 को संसद में प्रस्तुत किये गये कृषि नीति संकल्प के प्रारूप में यह कहा गया है कि सरकार कृषि को उद्योग के दर्जे तक पहुंचाने के लिए उसके व्यापार और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने का प्रयास करेगी । सरकार की नीति का लक्ष्य उद्योग की तरह कृषि के क्षेत्र में भी कारगर प्रणाली का विकास करना तथा उद्योग की तरह ही लाभ प्रदान करना है ।

सूरजमुखी के तेल का इस्तेमाल

4065. **श्री एस० एस० अहलुवालिया :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत और विदेशों में सूरजमुखी के तेल को अब खाद्य तेल के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है;

(ख) क्या यह भी सच है कि बिहार की भूमि और जलवायु सूरजमुखी की खेती के लिए अत्यंत उपयोगी है;

(ग) यदि हां, तो सरकार बिहार में सूरजमुखी की खेती को बढ़ावा देने हेतु प्रदेश के किसानों को क्या प्रोत्साहन देने पर विचार रखती है और उसका ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार बिहार में सूरजमुखी की खेती को लोकप्रिय बनाने के लिए आकाशवाणी और दूरदर्शन पर तैयार अभियान चलाने का विचार रखती है; और

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस०कुल्ल कुमार) (क) :जी, हां ।

(ख) बिहार की मृदा और जलवायु सम्बन्धी परिस्थितियां सूरजमुखी की खेती के लिए उपयुक्त हैं ।

(ग) सूरजमुखी की खेती को बढ़ावा देने के लिए बिहार सहित सूरजमुखी का उत्पादन करने वाले प्रमुख राज्यों में एक केन्द्रीय प्रायोजित तिलहन उत्पादन कार्यक्रम क्रियान्वित किया जा रहा है । तिलहन उत्पादन कार्यक्रम के अन्तर्गत बीजों के उत्पादन और वितरण करने, फ्रन्टलाइन और प्रखण्ड स्तरीय प्रदर्शनों का आयोजन करने, छिड़काव सैटों तथा उन्नत फार्म उपकरणों का वितरण करने, जिप्सम/पाइराइटस आदि का वितरण करने के लिए सहायता दी जाती है, ताकि इसके क्षेत्र और उत्पादन में वृद्धि की जा सके ।

(क) और (ङ) भारत सरकार ने बिहार सरकार को सुझाव दिया है कि वह रेडिओ और दूरदर्शन सहित विभिन्न जन-प्रचार माध्यमों के जरिए सूरजमुखी सहित विभिन्न फसलों की खेती की उन्नत पद्धतियों का प्रचार करे ।

फूलों की खेती को प्रोत्साहन

4066. **श्री एस० एस० अहलुवालिया :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि फूलों के विदेशों में निर्यात की अच्छी संभावनाएं हैं;

(ख) यदि हां, तो देश में फूलों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए जा रहे हैं;

(ग) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि बिहार की भूमि फूलों की खेती के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है और उचित प्रोत्साहन देकर बिहार में फूलों की खेती में काफी हद तक वृद्धि की जा सकती है; और

(घ) यदि हां, तो सरकार बिहार के किसानों को क्या प्रोत्साहन देने का विचार रखती है जिससे कि वहां फूलों की खेती में वृद्धि की जा सके और वहां से फूलों का विदेशों में निर्यात किया जा सके ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) जी, हां ।

(ख) भारत सरकार आठवीं योजना के दौरान 10 करोड़ रुपये की कुल लागत से केन्द्र क्षेत्र की एक योजना क्रियान्वित कर रही है, जिसमें आदर्श पुष्पोत्पादन केन्द्रों की स्थापना करना, परम्परागत के साथ-साथ तल्लु पालन जैसी आधुनिक तकनीकों के जरिए पौध-रोपण सामग्री का संवर्धन करने के लिए सुविधाएं उपलब्ध करना; क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम तथा पुष्प उत्पादन करने वाले विभिन्न क्षेत्रों में किसानों को प्रशिक्षण देना शामिल है ।

सरकार भी पुष्पों के उत्पादन, फसल की कटाई के बाद की व्यवस्था और विपणन हेतु बुनियादी सुविधाओं का विकास करके मण्डी सूचना सेवा मुहैया कराकर, सजावटी फूलों के लिए हवाई-भाड़े पर राजसहायता देकर; निर्यातोन्मुखी परियोजना के लिए